ICAR National Bureau of Fish Genetic Resources

Press Release

26th April 2025

ICAR-National Bureau of Fish Genetic Resources, Lucknow Celebrates World Intellectual Property Day with Workshop on "IP Manthan"

ICAR-National Bureau of Fish Genetic Resources (ICAR-NBFGR), Lucknow, celebrated World Intellectual Property Day on 26th April 2025 by organizing a one-day workshop entitled "IP Manthan: IP Awareness and Encouraging Creativity and Innovation" in hybrid mode. The event focused on the rapidly evolving intersections of Artificial Intelligence (AI), Intellectual Property (IP), and scientific research.

Dr. Kajal Chakraborty, Chairman, Institute Technology Management Committee (ITMC) and Director, ICAR-NBFGR, inaugurated the workshop. In his address, he highlighted the dynamic landscape of AI in scientific research and data mining. Emphasizing the multifaceted role of AI, from content generation to enhancing human creativity, Dr Chakraborty underlined the emerging challenges and opportunities AI brings to the realm of copyright and intellectual property protection.

Invited lectures by eminent experts added depth to the discussions. Mr. Arvind Sankar, Patent Associate at Khurana & Khurana and IIPRD, delivered a talk on "The Implications of AI on Copyright: Intellectual Property Disruption and Debate", where he explored how AI is reshaping traditional IP frameworks. Mr. Navdeep Shridhar, IP Attorney and Founder of the IPR Awareness and Innovation Promotion Forum, spoke on "AI as a Tool vs. AI as a Creator: Protecting IP in the Evolving AI Regime," addressing the critical distinction between AI-assisted innovation and AI-generated works, and how these differences impact IP protection strategies.

The workshop witnessed enthusiastic participation from around 70 researchers and students. Interactive panel sessions provided a platform for lively discussions, enabling participants to gain insights into the techno-legal challenges posed by AI and strategies for safeguarding intellectual assets in a changing environment.

Before concluding the event, Dr. Kajal Chakraborty led an engaging interactive session with researchers, encouraging them to identify technologies with IP potential that could be strategically developed and translated from the laboratory to the marketplace for greater societal impact.

The workshop was successfully organized under the guidance of Dr. Kajal Chakraborty and coordinated by Dr. Poonam Jayant Singh, Dr. L.K. Tyagi, Dr. Mahender Singh, Dr. Arun Sudhagar, Dr. Arpita Batta, Shri Ravi Kumar, and Shri Vikas Kumar.

The programme offered valuable perspectives on the evolving synergy between AI technologies and IP laws, empowering researchers to navigate and contribute responsibly to this rapidly transforming innovation landscape.

आईसीएआर-राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, लखनऊ ने "आईपी मंथन" कार्यशाला के साथ विश्व बौद्धिक संपदा दिवस मनाया

आईसीएआर-राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (आईसीएआर-एनबीएफजीआर), लखनऊ ने 26 अप्रैल 2025 को "आईपी मंथन: आईपी जागरूकता और रचनात्मकता एवं नवाचार को बढ़ावा" विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हाइब्रिड मोड में किया। यह कार्यक्रम कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), बौद्धिक संपदा (आईपी) और वैज्ञानिक अनुसंधान के तेजी से विकसित होते अंतःसंबंधों पर केंद्रित रहा।

कार्यशाला का उद्घाटन आईसीएआर-एनबीएफजीआर के निदेशक एवं संस्थागत प्रौद्योगिकी प्रबंधन समिति (आईटीएमसी) के अध्यक्ष डॉ. काजल चक्रवर्ती द्वारा किया गया। अपने उद्घाटन भाषण में डॉ. चक्रवर्ती ने वैज्ञानिक अनुसंधान और डेटा माइनिंग में एआई के गतिशील परिदृश्य को रेखांकित किया। उन्होंने सामग्री निर्माण से लेकर मानवीय रचनात्मकता को सशक्त बनाने तक में एआई की विविध भूमिकाओं पर प्रकाश डालते हुए, कॉपीराइट और बौद्धिक संपदा संरक्षण के क्षेत्र में एआई द्वारा उत्पन्न हो रही नई चुनौतियों और अवसरों को रेखांकित किया।

कार्यक्रम में आमंत्रित विशेषज्ञ वक्ताओं ने विषयवस्तु को और भी समृद्ध किया। श्री अरविंद संकर, पेटेंट एसोसिएट, खुराना एंड खुराना और आईआईपीआरडी ने "कॉपीराइट पर एआई का प्रभाव: बौद्धिक संपदा में व्यवधान और बहस" विषय पर व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने बताया कि किस प्रकार एआई पारंपरिक आईपी ढांचे को पुनर्परिभाषित कर रहा है। श्री नवदीप श्रीधर, आईपी अधिवक्ता एवं आईपीआर अवेयरनेस एंड इनोवेशन प्रमोशन फोरम के संस्थापक ने "उपकरण के रूप में एआई बनाम रचनाकार के रूप में एआई: विकसित एआई परिदृश्य में आईपी संरक्षण" विषय पर व्याख्यान दिया और एआई-सहायता प्राप्त नवाचार तथा एआई-निर्मित कार्यों के बीच महत्वपूर्ण भिन्नताओं को स्पष्ट किया, जो आईपी संरक्षण रणनीतियों को प्रभावित करते हैं।

कार्यशाला में लगभग 70 शोधार्थियों और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पैनल सत्रों में हुई संवादात्मक चर्चाओं ने प्रतिभागियों को एआई द्वारा उत्पन्न तकनीकी और कानूनी चुनौतियों के प्रति गहरी अंतर्दृष्टि प्रदान की और बौद्धिक संपदा की सुरक्षा हेतु व्यावहारिक रणनीतियाँ सीखने का अवसर दिया।

समापन सत्र में, डॉ. काजल चक्रवर्ती ने शोधकर्ताओं के साथ एक संवादात्मक चर्चा का नेतृत्व किया, जिसमें उन्होंने प्रयोगशाला से बाजार तक सामाजिक प्रभाव हेतु रणनीतिक रूप से

विकसित की जा सकने वाली संभावित आईपी तकनीकों की पहचान करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यशाला का सफल आयोजन डॉ. काजल चक्रवर्ती के मार्गदर्शन में और डॉ. पूनम जयंत सिंह, डॉ. एल.के. त्यागी, डॉ. महेंद्र सिंह, डॉ. अरुण सुधाकर, डॉ. अर्पिता बट्टा, श्री रवि कुमार और श्री विकास कुमार के समन्वय में संपन्न हुआ।

यह कार्यक्रम एआई तकनीकों और आईपी कानूनों के बीच विकसित हो रहे समन्वय पर महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रदान करता है, जिससे शोधकर्ता इस तेजी से बदलते नवाचार परिदृश्य में जिम्मेदारीपूर्वक कार्य कर सकें और प्रभावी योगदान दे सकें।

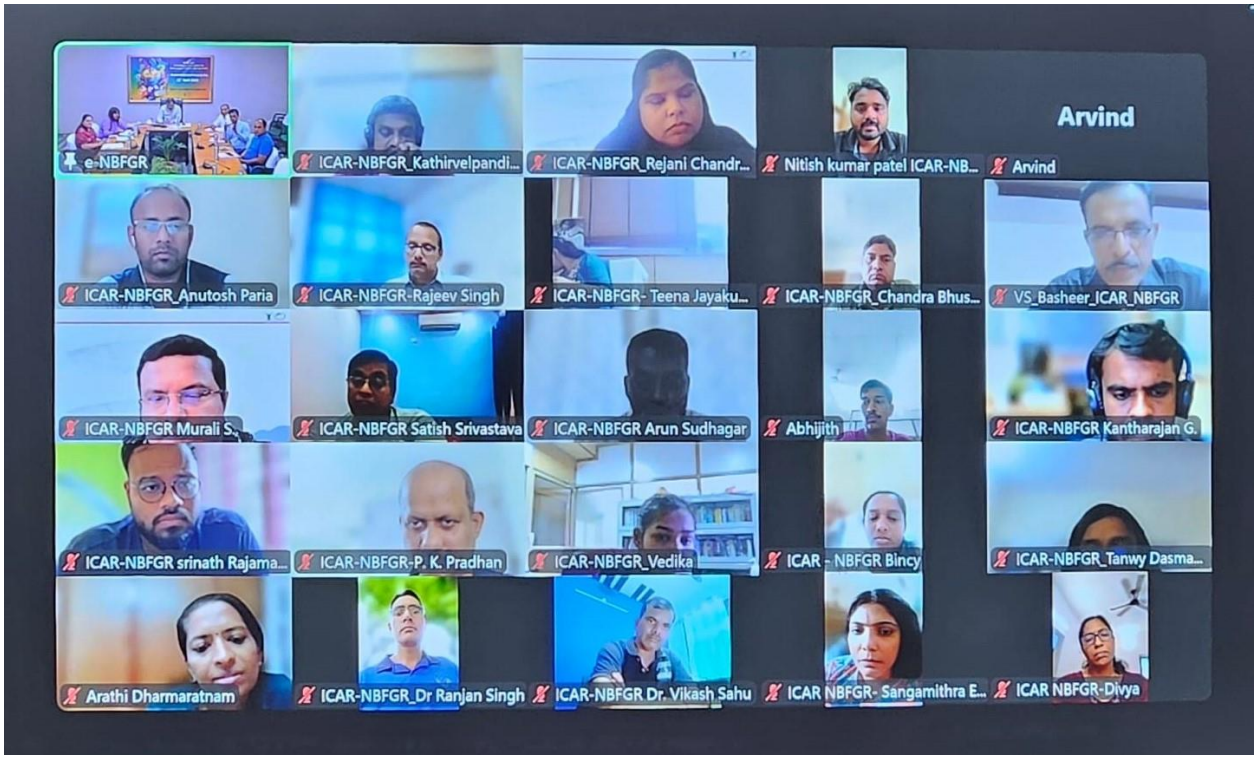
e-NBFGR
ICAR-NBFGR_Kathirvelpandi...
ICAR-NBFGR_Rejani Chandr...
Nitish kumar patel ICAR-NB...
Arvind
Arvind
ICAR-NBFGR_Anutosh Paria
ICAR-NBFGR-Rajeev Singh
ICAR-NBFGR- Teena Jayaku...
ICAR-NBFGR_Chandra Bhus...
VS_Basheer_ICAR_NBFGR
ICAR-NBFGR Murali S...
ICAR-NBFGR Satish Srivastava
ICAR-NBFGR Arun Sudhagar
Abhijith
ICAR-NBFGR Kantharajan G.
ICAR-NBFGR srinath Rajama...
ICAR-NBFGR-P. K. Pradhan
ICAR-NBFGR_Vedika
ICAR - NBFGR Bincy
ICAR-NBFGR_Tanwy Dasma...
Arathi Dharmaratnam
ICAR-NBFGR_Dr Ranjan Singh
ICAR-NBFGR Dr. Vikash Sahu
ICAR NBFGR- Sangamithra E...
ICAR NBFGR-Divya